एम. ए. पाठ्यक्रम

(वर्ष 2023-24)

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

Syllabus & Scheme

Semester - I & II

School of Art, Humanites & Social Science

GYANVEER UNIVERSITY, SAGAR (M.P.)

Scheme of Examination M.A. (Hindi Sahitya) II Semester

School of Art, Humanities & Social Science (Academic Session 2023-24)

Subject wise distribution of marks and corresponding credits

S. No.	PaperType	Subject	Subject Code	Paper Name	Maximum Marks Allotted									Total Marks	Contact Periods Per week			Total Credits
					Theory Slot				Practical Slot									
					End Term Exam	Internal Assesment Class test (Descriptive & Objective)/Assignment/Seminar			Internal Assesment			External Assesment			L	T	P	
					FINAL EXAM	Internal Assesment I	Internal Assesment II	Internal Assesment III	Class Interaction	Attendance	Practical/ Presentation/Lab Record	Viva Voce	Lab Work					
1	Core Course	M.A. (Hindi Sahitya)	MAHNL221T	आलोचना सिद्धान्त और शास्त्र	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
2	Core Course		MAHNL222T	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
3	Core Course		MAHNL223T	हिन्दी की आलोचना दृष्टियाँ	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
4	Core Course		MAHNL224T	लोक साहित्य और संस्कृति	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
5	Elective		MAHNL225T(A)	बंदूलारे वाजपेयी	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	4	0	0	4

Total of Credit is 6+6+6+6+4 = 28

Note*: Allotment of Marks for Internal Assesment for theory portion is Best of Two / either of two and addition of them.

Gyanveer U Sagar

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL221T - आलोचना सिद्धान्त और शास्त्र

Semester – II

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से आलोचना सिद्धांत और शास्त्र का अध्ययन की पृष्ठभूमि विद्यार्थियों को बताया जायेगा। काव्य लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यगुण, रस, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य आदि के उद्देश्य और महत्व को विद्यार्थी जान सकेंगे। निश्चित रूप से प्रश्नपत्र के उक्त प्रयोजनों से विद्यार्थी का व्यक्तित्व व्याकरणिक ज्ञान से परिपक्व होगा।

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 काव्य का लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यगुण।

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 रस, रसनिष्पत्ति, काव्यास्वाद और साधारणीकरण।

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य।

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 प्लेटो, अरस्तु, लोंजाइनस, वर्डस्वर्थ, कालरिज, टी.एस. इलियट, आई.ए. रिचर्ड्स, जार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 शास्त्रीयतावाद, स्वछंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण आलोचना सिद्धांत और शास्त्र, काव्य लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यगुण, रस, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य आदि के उद्देश्य और महत्व एवं बोध से संपृक्त हो संकेंगे।

आधार ग्रंथ–

- भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय।
- भारतीय काव्यशास्त्र : संपा. उदयभानु सिंह।
- काव्य तत्व विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी।
- काव्याड्.दर्पण : डॉ. विजयबहादुर अवस्थी, दिल्ली पुस्तक सदन, दिल्ली।
- रस मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- रससिद्धान्त : नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

- पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृश्ण प्रकाशन, प्रा.लि., नई दिल्ली।
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : डॉ. गोपीचंद नारंग
- उत्तर आधुनिकता – डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- प्लेटो का काव्य-शास्त्र : निर्मला जैन
- अरस्तु का काव्यशास्त्र : संपा. नगेन्द्र, हिन्दी अनुसंधान परिशद, दिल्ली।
- काव्य के उदात्त तत्व (भूमिका) : नगेन्द्र, आचार्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
- साहित्य सिद्धांत (अनूदित): रेने वेलेक, आस्टिम वारेन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- पाश्चात्य दर्शन और साहित्यिक अन्तर्विरोध : प्लेटो से मार्क्स तक – रामविलास शर्मा

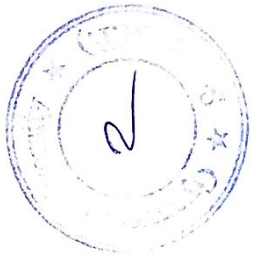

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL222T - हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

Semester – II

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से विद्यार्थियों को परिचित करवाना है।

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 साहित्य इतिहास और सामाजिक इतिहास का संबंध, स्मृति और इतिहास, भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि, साहित्येतिहास की सामग्री, चयन का प्रश्न, विचारधारा, तकनीकी और साहित्यिक रूप।

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 आरंभिक इतिहास लेखन और पद्धतियाँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास।

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 शुक्लोत्तर इतिहास लेखन (हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 हिन्दी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी, मध्यकाल में हिन्दी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगें, आरंभिक इतिहास लेखन और पद्धतियाँ की जानकारी प्राप्त कर सकेगें एवं हिन्दी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी, मध्यकाल में हिन्दी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी आादि के विषय में जान सकेंगें।

आधार ग्रंथ–

- हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
- भाषा (हिन्दी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

- हिन्दी साहित्य का आादिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास-परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई
- दिल्ली।
- परंपरा का मूल्यांकन, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,
- नई दिल्ली।
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी का गद्य इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL223T - हिन्दी की आलोचना दृष्टियाँ

Semester – II

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी साहित्यकारों की आलोचना दृष्टियों से परिचित करवाना है।

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु।

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नलिन विलोचन शर्मा।

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 नंददुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र, नामवर सिंह।

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 रचनाकार आलोचक :
प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नलिन विलोचन शर्मा। प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर आदि रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हो सकेंग।

आधार ग्रंथ–

- चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य (भाग1 व 2) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबन्ध : मुक्तिबोध, विश्वभारती प्रकाशन।
- एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध, भारती ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

- छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचक के मुख से : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कहानी : नयी कहानीः नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
- भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नामवर की धरती, श्रीप्रकाश शुक्ल।
- हमारे नामवर-संपादक कृष्णकुमार सिंह, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL224T - लोक साहित्य और संस्कृति

Semester – II

उद्देश्य : प्रस्तुत प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थी भारतीय समाज की लोकभाषा और लोक संस्कृति को समझता है और लुप्त होती हुई भारतीय संस्कृति लोकसंस्कृति, लोककलाएं, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि को सहजने की चेतना जागृत होती है। इसके साथ हम भारतीय संस्कृति की धरोहर को जिन्दा रखने और उसे पुनर्जीवित करने का दृढ़ संकल्प बच्चों के अंतर्मन में उत्पन्न होती लें

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 लोक साहित्य परम्परा : परिभाषा और क्षेत्र, लोकसाहित्य तथा अन्य कलाएँ, शास्त्र एवं समाज विज्ञान, लोकजीवन और लोक संस्कृति।

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 हिन्दी के लोक साहित्य का इतिहासः विभिन्न जनपदीय बोलियाँ और लोक साहित्य, राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भोजपुरी, कन्नौजी।

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 लोक साहित्य की विधायें : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 बुन्देली साहित्य : लोकोक्ति और मुहावरे परिभाषा, लक्षण स्वरूप एवं महत्व पहेलियों के लक्षण, परिभाषा एवं स्वरूप तथा उनमें लोकसंस्कृति का प्रतिबिम्ब।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 पश्चिम का लोक साहित्य : प्रारम्भ, सिद्धान्त निर्माण। लोकसाहित्य एवं संस्कृति के महत्व का निर्माण करने, आचार एवं आदर्श स्थापना और इतिहास, समाज एवं शिक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय एकता का बोध कराने के सन्दर्भ में।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण भारतीय समाज की लोकभाषा और लोक संस्कृति को समझ सकेंगें, लुप्त होती हुई भारतीय संस्कृति लोकसंस्कृति, लोककलाएं, लोकगाथा, लोकनाट्य के बोध से संपृक्त हो सकेंगें।

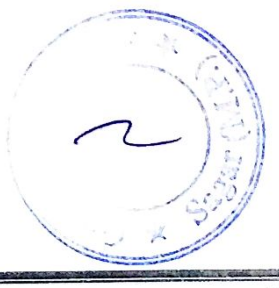

आधार ग्रंथ–

- भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा और विधि – रामकिशोर 'शर्मा
- लोकसाहित्य और संस्कृति – दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य – महावीर अग्रवाल
- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा – दुर्गा भागवत (सं.)

सहायक ग्रंथ–

- लेख साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग – श्रीराम शर्मा
- बुन्देली लोकपरम्परा – डॉ. बलभद्र तिवारी
- आधुनिक बुन्देली काव्य – डॉ. बलभद्र तिवारी

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL225T - नंददुलारे वाजपेयी

Semester – II

ऐच्छिक प्रश्नपत्र

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नंददुलारे वाजपेयी की साहित्य विद्या से परिचित करवाना है।

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 'नया साहित्य, नये प्रश्न' नवीन यथार्थवाद, रस निष्पत्ति : एक नयी व्याख्या, समीक्षा संबंध मेरी मान्यता, छायावाद में अनुभूति और कल्पना, नये उपन्यास, नवीन कथा साहित्य : विचार पक्ष।

आधुनिक साहित्य खण्ड–7, मत और सिद्धान्त।

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 नयी कविता (आलोचना), प्रकीर्णिता/रीति और शैली

आचार्य शुक्ल : जीवन और व्यक्तित्व, स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', शिवपूजन सहाय : एक मृदु गंभीर व्यक्तित्व, युग पुरुष नेहरु : कुछ वैयक्तिक संस्मरण।

केरल की शारदीय परिक्रमा

('हिन्दी साहित्य का आधुनिक युग' पुस्तक में संकलित)

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी

विज्ञप्ति, श्री महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्रीरामचंद्र शुक्ल 1,2,3, प्रेमचंद, आत्मकथा विवाद, प्रेमचंद का उत्तर, मेरा प्रत्युत्तर, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा।

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 राष्ट्रीय साहित्य– साहित्य का राष्ट्रीय स्वरूप, समाज और साहित्य, नये उपन्यास और राष्ट्रीय जीवन, नये नाटक और राष्ट्रीय रंगमंच की आवश्यकता, नयी कविता और राष्ट्रीय भावभूमि, आधुनिकता बनाम भारतीयता।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 महाकवि सूरदास

आलोचक का स्वदेश

(नंददुलारे वाजपेयी की जीवनी, लेखक– डॉ. विजय बहादुर सिंह)

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण नंददुलारे वाजपेयी की साहित्य विद्या एवं अन्य विभिन्न रचनाओं से परिचित हो सकेंगें।

आधार ग्रंथ–

- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ग्रंथावली– संपादक विजय बहादुर सिंह, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचना का स्वदेश (जीवनी)–डॉ. विजय बहादुर सिंह, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी – रामआधार शर्मा, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली।
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी– प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी – राममूर्ति त्रिपाठी
- हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रगतिशील हिन्दी आलोचना– हौसिला प्रसाद सिंह
- हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी समीक्षा : उद्भव और विकास – रामदरश मिश्र।